

रेडियो

1.
    - पब्लिक ब्रॉडकास्टिंग की महत्ता, रेडियो का सामान्य परिचय, सामाजिक विकास और रेडियो, एफ.एम. चैनल, निजीकरण एवं स्वायत्तता के मुद्दे और रेडियो
    - कम्युनिटी रेडियो, प्रसार-भारती, सैटेलाइट रेडियो, ए.एम., एफ.एम., एनालॉग एवं डिजिटल प्रसारण,
    - विशिष्ट श्रोतावर्ग के रेडियो कार्यक्रम, रेडियो स्टूडियो का ढाँचा तथा प्रकार, रिकॉर्डिंग के विभिन्न उपकरण
    - रेडियो आर्काइव, रेडियो-विधाएँ
  2.
    - रेडियो-कार्यक्रम : बच्चों और युवाओं के कार्यक्रम
    - महिलाओं के कार्यक्रम
    - स्थानीय और समुदाय विशेष के कार्यक्रम
  3.
    - रेडियो-प्रबंधन: रेडियो का अर्थतंत्र
    - एफ.एम. और आकाशवाणी का प्रबंधन
    - विपणन और वितरण
    - रेडियो-श्रोता निर्माण
  4. **व्यावहारिक कार्य**
    - रेडियो-समाचार बुलेटिन, रेडियो-समाचार वाचन
    - साक्षात्कार
    - फीचर
    - विज्ञापन
- उपर्युक्त में से किसी एक पर सी.डी. का निर्माण (15-20 मिनट)

**सहायक पुस्तकें****आवश्यक अध्ययन सामग्री:**

1. जनमाध्यम प्रौद्योगिकी और विचारधारा, जगदीश्वर चतुर्वेदी
2. अंडरस्टैंडिंग रेडियो, एंड्रयू क्रिसेल
3. मेनी वायसेज वन वर्ल्ड, सीन मैकब्राइड
4. ब्राडकास्टिंग एंड दि पीपुल, मेहरा मसानी

**अन्य अध्ययन सामग्री:**

1. भूमंडलीय जनमाध्यम, एडवर्ड एस. हरमन, राबर्ट डब्ल्यू मैकचेस्नी
2. रेडियो लेखन, मधुकर गंगाधर
3. रेडियो-वार्ता शिल्प, डॉ. सिद्धनाथ कुमार

